

हर पूनम को दादा मैं नाकोड़ा आऊँगा



हर पूनम को दादा,
मैं नाकोड़ा आऊँगा,
नाकोड़ा नगरी आकर,
तुझे भजन सुनाऊँगा।bd।

तर्ज – तू किरपा कर बाबा ।

चाहें जितनी लंबी,
लाइन में लगा देना,
हे दादा मुझको तू,
भक्तों से मिला देना,
लाइन में खड़े होकर,
तेरी आरती गाना है,
नाकोड़ा नगरी आकर,
तुझे भजन सुनाऊँगा।bd।

तुझे भजनों से दादा,
हम खूब रिझाएँगे,
झूमेंगे नाचेंगे,
हम खुशियाँ मनाएँगे,
तेरी प्यारी मूर्त को,
मैं दिल में बसाऊँगा,
दरबार तेरे आकर,
मैं भजन सुनाऊँगा।bd।

ऐसी कृपा कर दे,
हर पूनम आता रहूँ,
तेरे कृपा को दादा,
जीवन भर गाता रहूँ,
'दिलबर' तेरे भजनों को,
सुरों से सजाऊँगा,
'संयम' कहे दादा तुझे,
भूल न पाऊँगा।bd।



मैं नाकोड़ा आऊँगा,
नाकोड़ा नगरी आकर,
तुझे भजन सुनाऊँगा।bd।

गायक – संयम नाबेड़ा हैदराबाद।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365
